

न्यायालय उप जिला कलेक्टर टोडाभीम

फर्द अहकाम

फु नं 9/13

तारीख 22.2.13

उजवान + रहना बजाम रहली वगैरे

कानून काबत प्रार्थना पत्र अस्थाई बिबेधाज्ञा

प्रार्थी के ओर श्री राममरोसी गुप्ता Adwoc ने प्रार्थना पत्र अस्थाई बिबेधाज्ञा पेश किया। प्रार्थना पत्र आपत्त पत्र दस्तावेजों का अवलोकन किया। वकील प्रार्थी के एकतरफा बहस सुनी जायी प्रथम दृष्टया मामला प्रार्थी के पक्ष में प्रतीत होता है। अतः ~~प्रथम~~ जैर सामलान के व सामलान जरिये अस्थाई बिबेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है कि ग्राम बाँद की भूमि खजः $\frac{519}{0.14}$ $\frac{524}{0.44}$ $\frac{525}{0.47}$ कित्ता 3 कुल रकबा 1.05 पर रिकोर्ड खूब भोके को घथा स्थिति बनोय रखे। जैर सामलान को नोटिस जारी हो। प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर पनावली 13.3.13 को पेश हो।

उप जिला कलेक्टर
टोडाभीम (करौली)

13³/13

बार द्वारा कार्य स्वगत रखा गया है। अपर्ची नं. 2, 6, 7 की तामील स्वयं द्वारा, अपर्ची नं. 1, 3, 4, 5, की तामील चस्यानंगी खरवा नं. 8 की तामील भाई के द्वारा हुई है किन्तु कोर्ट उक्त नही है। बार ने न्यायिक कार्य को बहिष्कार कर रखा है अतः आग्रिस आदेश दिनांक 1.5.13 को पेश हो।

न्यायालय उप जिला कलक्टर टोडाभीम

क्र. नं. 9/13

ता. रजु 20.2.13

पीठाधीन अधिकारी- जगदीश आर्य R.A.S.

उन्वान

1. रतना पुत्र झालजा (मृतक)

1/1 रामसहाय

1/2 किशनलाल

1/3 रामकेश

1/4 छोटे लाल

1/5 विनोद कुमार

पिठ रतना

1/6 मीती देवी पत्नी रतना

समस्त जाति बैरवा निवासी नांद कला तहसील टोडाभीम
(प्रार्थीगण)

बनाम

1. रतल्लो पुत्र मोरया

2. शिवराम पुत्र रतल्लो

3. गुट्टीराम पुत्र रतल्लो

4. बनीया पुत्र रतल्लो

5. राधेश्याम पुत्र रतल्लो

6. चिंरजी पुत्र हरित

7. जगमोहन पुत्र भागरथा

8. मंदोर पुत्र भागरथा

समस्त जाति मीना निवासी नांद कला तहसील टोडाभीम
(अप्रार्थीगण)

प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा

उपस्थिति - श्री रामभरोसी गुवा - एडवोकेट (प्रार्थीगण)

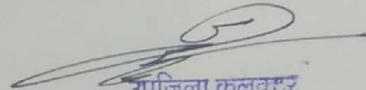
श्री सुरेश चंद शर्मा - एडवोकेट (अप्रार्थीगण)

निर्णय

दिनांक 12.3.16

प्रार्थीगण ने प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा इस प्रकार से

(लगातक)



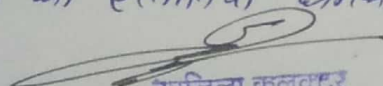
उपजिला कलक्टर
टोडाभीम (करौली)

2043 स 2062 तक न उषत मून का साबिक खसरा नं० 73/8 रकवा 5 वाघा स दशाया गया

है। साबिक खसरा नं० 73/8 रकवा 5 वीघा प्रार्थी को कार्यालय उपखण्ड अधिकारी

हिण्डौनसिटी ने दिनांक 24.10.1975 को अलोटमेन्ट की गयी थी जिसका बटा नं० 73/8 डाला

प्रस्तुत किया है कि ग्राम नांदकी भूमि ख. नं. 517 रकबा 0.12 है, 518 रकबा 0.09 है, 519 रकबा 0.14 है, 524 रकबा 0.44 है, 525 रकबा 0.47 है कुल बिता 5 कुल रकबा 1.26 है, की खातेदारी जमाबंदी संवत् 2068 से 2071 में रत्ना के नाम दर्ज है साबिक खं. नं. 73/8 रकबा 5 बीघा प्रार्थी को उपखंड अधिकारी दिनांक 24.10.75 को आंवल की थी, आंवल के बख्श ही मेके पर 5 बीघा भूमि पर कब्जा दिख गया था साबिक नक्शा सीट में तरदीम का 73/8 रकबा 5 बीघा डाला गया प्रार्थी तभी से ही अपनी भूमि पर काबिज चला आ रहा है। ख. नं. 73 में काफी रकबा था प्रार्थी के साथ-साथ अन्य व्यक्तियों को भी भूमि आंवल की गई थी जिनका भी बटा जमावा डाला गया था। भूपबंध विभाग ने गत ख. नं. 73 का हाल ख. नं. 139 बनाया है, रकबा 2.05 है जिसमें चरनोट चारागाह दर्ज कर राज. सरकार की खातेदारी में दर्ज कर दिया है हाल खं. नं. 519, 524, 525 की खातेदारी गलत दर्ज की है जबकि प्रार्थी के नाम हाल ख. नं. 139 में रकबा 1.05 है की खातेदारी प्रार्थी के नाम होनी चाहिए थी तथा इन्ही ख. नं. पर प्रार्थी का बख्श आंवल से कब्जा चला आ रहा है प्रार्थी की यह भूमि आम रास्ता सड़क के लगाना है भूपबंध विभाग की कलेक्लिम मिस्टेक है। जिसका फुल्ल होना आवश्यक है तथा खं. नं. 519, 524, 525 की जो खातेदारी दर्ज की है वह किस चरनोट होनी चाहिए तथा खं. नं. 139 रकबा 1.05 है की खातेदारी प्रार्थी के नाम होनी चाहिए। प्रार्थी अशिक्षित बगामीण आदमी है भूपबंध विभाग की गलती की जानकारी दि. 8.11.12 को जमाबंदी लेने पर हुई तथा पथवारी हफ्ता से नक्शा ट्रेस की गलत लेने पर हुई। अथवा प्रार्थी के नाम दर्ज भूमि खं. नं. 519, 524, 525 में अवैध रूप से मकान निर्माण करने व भूमि को कृषि से अकृषि में तब्दील करने पर उतार है तथा उन्हें दिनांक 19.2.13 को इस भूमि में मकान बनाने की एलानिया चमकी दी। इन्हें काफी लगभग 10

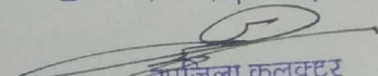

उपजिला कलक्टर
रोहातम (करौली)

(सगाता)

भी वे नहीं मीने। तहसीलदार जी ने भी डुकुली करने से इन्का का दिफा हो इस कारण दावा पेश करना आवश्यक हुआ है। दोरने दावा वादीरत्ना का देहान्त दिनांक 7.9.14 को हो गया, द. मंजूर होमे पर जीयेसैशो० दापत्र वारिसों की ओरसे पेश किया है। अतः प्रार्थनापत्र अर्थात् निवेदाज्ञा खिलाफ अग्रार्थीगण पेश कर निवेदन है कि ऊहे ग्राम जोद की भूमि ख. नं. 519, 524, 525 में किसी भी प्रकार के निदान नहीं करने के लिए पाबंद फाजाया जावे।

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर का अग्रार्थीगण को नोटिस जारी कर तलब किया गया। अग्रार्थीगण नं. 3, 5 ने नोटिस लिने से इन्का किया इस कारण उनके खिलाफ एक पक्षीप कार्यवाही अग्राल में लाई गई। शेष और सायलान ने जीये वकील उपस्थित होकर जबब पेश किया कि वादी ने जो दावा मय प्रार्थनापत्र अर्थात् निवेदाज्ञा पेश किया है उसमें सायल को सफलता मिलने की लेश मात्र भी संभावना नहीं है क्योंकि सायल की लडक के लगवां कोई भूमि नहीं है। सही कथन यह है कि ख. नं. 519, 524, 525 पर सायल का कब्जा नहीं है नाहि उबब भूमि पर या उसके साबिक नम्बर पर सायल का कमी कब्जा रहा है। तथा कथित तारीख 19.2.13 एकदम गलत मनगहंत व कपोल कल्पित अंकित की है। ~~सायलान~~ सायलान का उबब ख. नं. 519, 524, 525 पर काबिज ही नहीं है कब्जा के अभाव में प्रार्थनापत्र चलने योग्य नहीं है भूप्रबंध विभागने हाल रिकार्ड सही बनाया है इसलिए सायलान का प्रार्थना पत्र चलने योग्य नहीं है अतः प्रार्थना पत्र सायलान खारिज किया जावे।

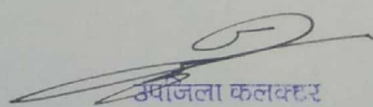
वकील उग्रय पक्ष की बहस सुनी गई। सर्वप्रथम


उपजिला कलक्टर
नेवाधीम (करौली)

(लगातार)

प्रार्थी वकील ने बहस प्रारंभ करते हुए कथन किया कि सन् 1975 में 5वीं बार आंखत हुई थी आंखत के साथ ही ही कठजा में दी गई भूमि पा कठजा है। भूपबंध विभाग ने नवीन रिकार्ड कायम करते हुए खं. नं. 519, 524, 525 की गलत खोलेदारी दे दी जबकि खं. नं. 131 खसम 2.05 है जो 1.05 है की खोलेदारी दी जाती-बाहिर थी। नवीन खं. नं. 519, 524, 525 की खोलेदारी वादी के नाम है जिस पर गैर सायलान जब दली मरान ब्याकर कठजा करना चाहते है पर भूमि सडक के लगना है, गैर सायलान डेबिंध रूप से सायलान की भूमि पा कठजा कर मकान बनाना चाहते है उन्हें पाबंद करना जरूरी है। वकील अप्रार्थी ने अपनी बहस में कथन किया कि विवादित भूमि खं. नं. 519, 524, 525 पर सायलान का कभी भी कठजा नहीं रहा है, जो ही आज है बल्कि गैर सायलान के विगत 10-12 सालों से तो मकान बने हुए है, वादीगण ने यह दावा गलत पेश किया है, एक तरफ तो इन्डाज दुकस्ती का दावा पेश कर रहे हैं, एक तरफ स्वयं वादी ने अपने पार्शना पत्र में ही विवादित भूमि में अपना कठजा नहीं माना है तथा गैर सायलान का ही कठजा माना है, अपने नाम की खोलेदारी का गलत फायदा उठा कर गैर सायलान को परेशान, हैरान करना चाहते है, कठजे के आभाव में सायलान का पार्शना पत्र चलने ही योग्य नहीं है, पार्शना पत्र खारिज फाया जावे।

वकील उभय पक्ष की बहस पर मनन किया गया


 अर्जाजला कलक्टर
 टोडाभीम (करौली)

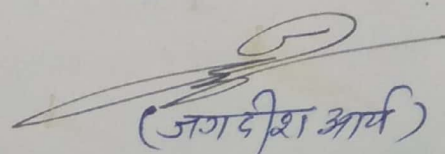
(लगाता)

(5)

पत्रावली का अपलोकन किया। सायल रतना को 5 बीघा भूमि
खं.नं. 73/8 गुमनांद में से दिनांक 24.10.75 को आवंटित हुई
है और संबंधित विभाग में नवीन खं.नं. 517, 518, 519, 524 एवं
525 कुल रकम 1.26 है। कायम किये हैं सैलज बजलनमा
दूस सावित्र व हाल के अनुसार सही कायम किये हैं। सायल स्वयं
ने वादपत्र में यह अंकित किया है कि नवीन खं.नं. 139 रकम 2.05
है। में से (चरनोट) मुझे 1.05 है। की इन्डाज इन्डली का
खालिदारी-चाही है तथा खं.नं. 519, 524, 525 की गलत खालि
दारी दर्ज कर दी है, सायल। वादी स्वयं ने खं.नं. 139 रकम
1.05 है। पर बख्तर आबतन से कलजा हिसा संशोधित वादपत्र
में वर्णित किया है। उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट हो जाता
है कि सायल का खं.नं. 519, 524, 525 की भूमि का कलजा
नहीं है, तथा इस भूमि का ऊपर सायलान के मकान बने हिसा
दोहने बहस कधील उभय पक्ष ने भी माना है। सायल ने भी
उन खं.नं. वादपत्र के संबंध में ही रिक्तीफ-चाही है।

अतः गुमनांद की भूमि खं.नं. 519, 524, 525 पर
सायल का कलजा नहीं होने से सायल का प्रार्थना पत्र अस्थाई
निषेधाज्ञा खारिज योग्य होने से खारिज किया जाता है।

निर्णय आज दिनांक 12.3.16 को खुले न्यायालय में
सुनाया गया।


(जगदीश आर्य)

उपजिला कलक्टर
टोडाभीम (करौली)